माता भगवती देवी राजकीय महिला महाविद्यालय आंवलखेड़ा ,आगरा

स्नातक पाठ्यक्रम (विषय - हिंदी)

GENERAL PROGRAMME / COURSE OUTCUMES

- विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत हिंदी भाषा एवम् साहित्य का ज्ञान प्राप्त होगा।
- हिंदी साहित्य के मूलभूत स्वरूप जैसे साहित्य की विभिन्न विधाओं का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।
- छात्रों में भाषा, साहित्य एवम् संस्कृति के मध्य अंतर्सम्बन्ध के प्रति जागरुकता एवम् समझ विकसित हो सकेगी ।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता एवं नैतिक चरित्र का भावना का विकास किया जा सकेगा।
- विद्यार्थी हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति का स्पष्ट ज्ञान प्राप्त कर सकेगा।
- कम्प्यूटर, इंटरनेट , सिनेमा और अनुवाद आदि के ज्ञान द्वारा छात्राओं को समाज एवम् राष्ट्र की नवीन चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सकेगा।
- छात्र नाटकों एवं रंगमंच के अध्ययन द्वारा अभिनय के क्षेत्र में कैरियर बना सकेगा।
- छात्र पाठ्यक्रम के अध्ययनों परांत स्नातक स्तरीय हिंदी विषय की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु तैयार हो सकेगा

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOME

(बी.ए. प्रथम वर्ष, प्रथम सेमेस्टर- " हिंदी काव्य ")

- भारतीय ज्ञान परम्परा में हिंदी साहित्य के अंतर्गत विभिन्न काल खण्डों के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी प्रदान करना तथा हिंदी काव्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिंदी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।
- हिंदी काव्य प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन एवम नामकरण की समस्या का अध्ययन कर सकेगा
- विद्यार्थी आदिकालीन साहित्य की विभिन्न काव्य प्रवित्तियों की जानकारी प्राप्त कर सकेगा ।
- छात्र भक्ति आंदोलन के प्रमुख कारणों, प्रवित्तियों और भक्तिकालीन दर्शनों के साथ साथ हिंदी कविता के निर्गुण एवम सगुण काव्य रूपों का ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा।
- छात्र रीतिकाल के नामकरण एवं प्रवित्तियों तथा वर्गीकरण से परिचित हो सकेगें।
- विद्यार्थियों को पुनर्जागरण एवं जागरण काल की काव्य चेतना के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी छायावाद क्या है छायावाद और रहष्यवाद के मध्य अंतर तथा छायावाद की प्रमुख काव्य प्रवित्तियों की जानकारी के साथ साथ, निराला, पंत तथा जयशंकर प्रसाद व महादेवी वर्मा की कविताओं का अध्ययन कर सकेगा।
- विद्यार्थी प्रगतिवाद क्या है और प्रगतिशील से प्रगतिवाद कैसे भिन्न है ,प्रगति वाद की प्रमुख विशेषताओं सहित प्रगतिवाद के प्रमुख कवि नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन, रामविलाश शर्मा, नरेंद्र शर्मा ,दिनकर आदि कवियों के काव्य लेखन से परिचित हो सकेगें ।
- छात्र प्रयोगवाद तथा तारसप्तक की अवधारणा के साथ साथ तारसप्तक के प्रमुख कवियों जिनमे अज्ञेय, मुक्तबोध, शामशेर ,भवानीप्रसाद मिश्र, आदि कवियों की कविताओं से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी नई कविता, अकविता, समकालीन कविता आदि की प्रवृत्तियों के साथ साथ समकालीन कवियों ,धूमिल ,केदारनाथ सिंह ,धरमवीर भारती, आदि समकालीन कवियों की कविताओं का अध्ययन कर

सकेंगे तथा समकालीन समय और समाज, की समस्याओं, बाजारवाद के प्रभावों और भूमंडलीकरण के दुष्परिणामों के साथ साथ लोकतंत्र के वास्तविक स्वरूपों का अधययन कर सकेंगे।

(बी. ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर- " कम्प्यूटर और कार्यालयी हिंदी")

- विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ।
- टिप्पण लेखन, संक्षेपण, विस्तारण तथा टैंडर प्रक्रिया आदि की जानकारी से अवगत कराया जा सकेगा।
- निविदा सूचना,आवेदन,प्रतिवेदन के विभिन्न रूपों का विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थित का व्यवस्थित ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी राजभाषा और राष्ट्र भाषा की स्थिति उनके मध्य अंतर तथा लोकभाषा और संपर्क भाषा के स्वरूपों का अध्ययन कर सकेंगे ।
- छात्र सूचना, प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटर के क्षेत्र में हिंदी के योगदान एवं महत्व की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र फेसबुक, ईमेल, और ट्विटर, you tube, आदि ऑनलाइन मीडिया प्लेटफॉर्म के उपयोग तथा ऑनलाइन एजुकेशन एप्लिकेशन और टेलीविजन कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- कम्प्यूटर ,शार्ट हैंड टाइपिंग का मूलभूत ज्ञान विद्यार्थियों को कम्प्यूटर पर काम करने में सक्षम बनायेगा तथा रोजगार प्रदान करने में सहायक होगा।

(बी. ए. द्वितीय वर्ष, तृतीय समेस्टर- " हिंदी गद्य")

- विद्यार्थी हिंदी गद्य की अवधारणा एवं उसके विभिन्न विधाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र हिंदी कहानी के उद्भव एवम विकाश के अध्ययन के माध्यम से कहानी लेखन के प्रमुख तत्वों से परिचित हो सकेंगे तथा हिंदी के प्रमुख कहानीकारों- प्रेमचंद ,प्रसाद, यशपाल, अज्ञेय, जैनेन्द्र, मन्नुभण्डारी, ओमप्रकाश वाल्मीकि जैसे कहानीकारों की कहानियों का अध्ययन कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी उपन्यास के उद्भव एवं विकास के विभिन्न चरणों का अध्ययन कर सकेंगे तथा हिंदी के प्रसिद्ध उपन्यासकारों जैसे देवकीनन्दन खत्री, प्रेमचंद, यशपाल ,वृन्दावनलाल वर्मा , जैनेन्द्र , अमरकांत आदि प्रमुख उपन्यासकारों के उपन्यासों का अध्ययन कर सकेंगे ।
- छात्र नाटक, एकांकी, आलोचना , आदि के उद्भव एवं विकास की प्रक्रिया तथा प्रमुख नाटककार प्रसाद , मोहन राकेश, ,लक्ष्मी नारायण मिश्र, रामकुमार वर्मा आदि के नाटकों एवं एकांकी का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही हिंदी के प्रमुख आलोचक रामचंद्र शुक्ल ,हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, आदि की आलोचना कर्म से परिचित हो सकेंगे ।
- छात्र हिंदी निबंधों की विकास यात्रा ,हिंदी के प्रमुख निबंध कार ,शुक्ल जी, भारतेंदु ,महावीर प्रसाद द्विवेदी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ राय ,नंददुलारे वाजपेयी आदि के निबंध स्वरूपों का अध्ययन कर सकेंगे ।
- छात्र गद्य की अन्य विधाओं के अंतर्गत जीवनी- आत्मकथा , संस्मण-, रेखाचित्र यात्रा वृत्तांत, डायरी, इंटरव्यू रिपोतार्ज आदि का सम्यक अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र स्व की अभिव्यक्ति के विभिन्न माध्यमों से परिचित हो सकेंगे।

(बी.ए. द्वितीय वर्ष ,चतुर्थ सेमेस्टर -"हिन्दी अनुवाद")

- विद्यार्थियों को हिंदी के साथ साथ अंग्रेजी की प्रारम्भिक जानकारी प्रदान करते हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ संबंध स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के प्रचार प्रसार में सहायक बनाना ।
- छात्र अनुवाद की अवधारणा, परिभाषा ,स्वरूप एवं अनुवाद के महत्व को जान सकेंगे ।
- विद्यार्थी अनुवाद के क्षेत्र ,प्रकार तथा अनुवाद की सीमाएं औरअनुवाद में रोजगार की संभावनाओं का ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।
- छात्र अनुवाद के साधनों के साथ साथ कोश के महत्व ,कोश के प्रकार ,कोशों के उपयोग, शब्द कोशों के उपयोग आदि का भी ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।
- छात्र अनुवाद सैद्धांतिकी के अंतर्गत हिंदी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिंदी तथा प्रशासनिक एवं बैकिंग अनुवाद प्रक्रिया का ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।
- छात्र सृजनात्मक अनुवाद और ज्ञान विज्ञान एवं तकनीकी अनुवाद की प्रक्रिया के साथ साथ तुलनात्मक अनुवाद का भी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी एक भाषा के साहित्य को दूसरी भाषा के साहित्य के लिए साथ तुलना तथा दूसरी भाषा मे अनुवाद करने की प्रक्रिया से लाभान्वित हो सकेंगे।
- अनुवाद के माध्यम से अन्य भाषाओं के साहित्य को हिंदी व अंग्रेजी माध्यमों में अनुवाद कर लोक ग्राही एवं सार्वजनिक बनाने में छात्र सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

(बी. ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर -" साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना")

- छात्र साहित्य शास्त्र के अंतर्गत काव्य एवं साहित्य की परिभाषा स्वरूपों के साथ साथ काव्य के विभिन्न प्रयोजनों और काव्य हेतुओं की सम्यक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के विभिन्न सम्प्रदायों यथा - रस सम्प्रदाय, अलंकार सम्प्रदाय, रीति संप्रदाय, वक्रोक्ति सिद्धन्त,ध्वनि सिद्धांत औचित्य सिद्धान्त आदि की विधिवत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र साहित्यशास्त्र के अंतर्गत काव्य के विविध रूपों ,काव्य गुणों, काव्य दोषों और शब्द की विभिन्न शक्तियों का ज्ञानार्जन कर सकेंगे।
- छात्र नाट्यशास्त्र के स्वरूप , अभिनय ,नायक नायिका के भेदों तथा रंगमंच की विभिन्न विशेषताओं का ज्ञानार्जन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के अन्तर्गत अरस्तु के अनुकरण सिद्धान्त एवं विरेचन सिद्धान्त तथा कॉलरिज के कल्पना और फैंटेसी के सिद्धांत का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र स्वच्छंदता वाद के प्रवर्तक वर्ड्सवर्थ के काव्य भाषा सिद्धन्त तथा इलियट के निर्व्यक्तिकता के सिद्धान्ध से भलीभांति परिचित हो सकेंगी।
- छात्र आधुनिक समीक्षा के विभिन्न वादों यथा - यथार्थवाद ,बिम्बवाद, कलावाद, विखंडनवाद ,प्रतीक वाद आदि विचारधाराओं से अवगत हो सकेंगे।

- हिंदी आलोचना के अंतर्गत छात्र आलोचना के भिन्न रूपों -सैद्धान्तिक आलोचना, मार्क्सवादी आलोचना ,मनोविश्लेषणवादी आलोचना, तथा स्वच्छंदतावादी आलोचना सिद्धान्तों के साथ साथ रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्रेमचंद और मुक्तिबोध के आलोचना सिद्धान्तों से परचित हो सकेंगे।

(बी. ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर "हिंदी का राष्ट्रीय काव्य")

- छात्र आदिकालीन बीरगाथा साहित्य के अंतर्गत चंदवरदाई के पृथ्वीराज रासो तथा जगनिक के आल्हखंड में राष्ट्रीय भावना का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन राष्ट्रीय काव्यधारा के अंतर्गत भूषण तथा गुरुगोविंद सिंह की राष्ट्रीय चेतना से अवगत हो सकेंगे।
- छात्र आधुनिक कालीन राष्ट्रीय काव्य के अन्तर्गत भारतेन्दु और पुनर्जागरण द्विवेदी युग और जागरण कालखंड के अन्तर्गत भारतेन्दु और मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में राष्ट्रीय भावना के विविध रूपों का अध्ययन कर सकेंगे।
- छायावाद के भीतर प्रसाद ,निराला ,माखनलाल चतुर्वेदी, सुभद्राकुमारी चौहान आदि के काव्यों में राष्ट्रीय चेतना का अध्ययन कर सकेंगे।
- छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य के तहत छात्र दिनकर, बालकृष्ण शर्मा नवीन ,सोहनलाल द्विवेदी, अटल विहारी वाजपेयी की कविताओं में निहित राष्ट्रीय भावना का ज्ञानार्जन कर सकेंगे।
- छात्र हिंदी गजल तथा फिल्मी गीतों के माध्यम से कवि प्रदीप ,नीरज, कैफ़ी आज़मी, साहिर लुधियानवी आदि के राष्ट्रपरक गीतों यथा - आओ बच्चों तुम्हे दिखाए झांकी हिंदुस्तान की,ए मेरे प्यारे वतन ,कर चले हम फिदा जाने.., मेरे देश की धरती सोना उगले, आदि का अध्ययन कर सकेंगे।

बी.ए.तृतीय वर्ष- छठवाँ सेमेस्टर

("भाषा विज्ञान-हिंदीभाषा तथा देवनागरीलिपि")

- छात्र भाषा की परिभाषा ,भषा विज्ञान की परिभाषा अर्थ स्वरूप ,क्षेत्र एवं शाखाओं आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र हिंदी भाषा की उत्पत्ति और विकासक्रम के साथ साथ आधुनिक आर्यभाषा के पूर्वी हिंदी और पश्चिमी हिंदी की विभिन्न बोलियों के अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र हिंदी की विभिन्न उपभषाओं जैसे पूर्बी हिंदी ,पश्चिमी हिंदी ,राजस्थानी हिंदी , विहारी हिंदी ,और पहाड़ी हिंदी की विभिन्न क्रियारूपो और व्याकरणिक संरचना का ज्ञानार्जन कर सकेंगे।
- छात्र हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति के अंतर्गत राजभाषा, राष्ट्रभाषा के लिए किए गए संवैधानिक प्रावधान का ज्ञान प्राप्त कर सकछात्र देवनागरी लिपि के उद्भव व विकास तथा उसकी वैज्ञानिकता और विशेषता का अध्ययन कर सकेंगे।

बी. ए. तृतीय वर्ष- छठवाँ सेमेस्टर

(" लोक साहित्य और लोकसंस्कृति ")

- छात्र लोक साहित्य की परिभाषा , स्वरूप एवं क्षेत्र आदि के वर्गीकरण का अध्ययन कर सकेंगे ।
- छात्र लोक साहित्य और लोक संस्कृति तथा शिष्ट साहित्य के मध्य संबंध और अन्तर से परिचित हो सकेंगे।
- छात्र लोक साहित्य में चित्रित लोकसंस्कृति और राष्ट्रीय एकता का मूल्य समझ सकेंगे।
- छात्र लोक साहित्य की विविध विधाओं यथा लोक गीत ,लोकगाथा,लोक नाट्य, लोक नृत्य ,लोक संगीत आदि का ज्ञानार्जन कर सकेंगे।
- छात्र भारतीय परम्परा में प्रचलित लोकोत्तियों, मुहाबरे तथा पहेलियों से परचित हो सकेंगे।